Roll Number	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302301**
Title of the Paper	**:**	**Rigveda , Brihaddevta & Paniniyasiksha**
Name of the Course	**:**	**MA (Sanskrit) Examination, January 2024**
Group	**:**	**A**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

1. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए, जिनमें से एक संस्कृत में हो: 8x3=24

Explain the following Mantras; out of which **one** should be in **Sanskrit**.

(क) इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्र वोचं यानि चकार प्रथमानि वज्री।
अहन्नहिमन्वपस्ततर्द प्र वक्षणा अभिनत्पर्वतानाम्॥

अथवा/OR

अच्छा वद तवसं गीर्भिराभिः स्तुहि पर्जन्यं नमसा विवास।
कनिक्रदद्वृषभो जीरदानू रेतो दधात्योषधीषु गर्भम्॥

(ख) व्यञ्जते दिवो अन्तेष्वक्तून्विशो न युक्ता उषसो यतन्ते ।
सं ते गावस्तम आ वर्तयन्ति ज्योतिर्यच्छन्ति सवितेव बाहू ॥

अथवा/OR

वेदा यो वीनां पदमन्तरिक्षेण पतताम् ।
वेद नावः समुद्रियः॥

(ग) संवत्सरं शशयाना ब्राह्मणा व्रतचारिणः।
वाचं पर्जन्यजिन्वितां प्र मण्डूका अवादिषुः॥

अथवा/OR

इमा जुह्वाना युष्मदा नमोभिः प्रति स्तोमं सरस्वति जुषस्व।
तव शर्मन्प्रियतमे दधानोप उपस्थेयाम शरणं न वृक्षम्॥

2. किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए। 5x4=20

Write notes on **any four** of the following:

आख्यात, स्पृष्ट, मन्त्रों के प्रकार, सूक्तों के प्रकार, नैपातिक देवता, नाम, स्वर, हृदय–स्थानिक

3. ऋग्वेद के पर्जन्य–सूक्त के महत्त्व का वर्णन कीजिए। 08

Describe the importance of Parjanya sukta of Rigveda.

अथवा/OR

ऋग्वेद के विश्वेदेवाः सूक्त का निरूपण कीजिए।

Describe the विश्वेदेवाः Sukta of Rigveda.

4. बृहद्देवता के अनुसार देवताओं के वर्ग का निरूपण कीजिए। 08

Describe the categories of Devata according to Brihaddevata.

अथवा/OR

आचार्य शौनक के अनुसार केशी का वर्णन कीजिए।

Describe Keshi according to Acharya Shaunak.

5. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए। 5x2=10

Explain the following verses:

(क) आत्मा बुद्ध्या समेत्यर्थान्मनोयुङ्क्तेविवक्षया।
मनः कायाग्निमाहन्ति स प्रेरयति मारुतम्॥

अथवा/OR

अर्धमात्रा तु कण्ठस्य एकारैकारयोर्भवेत्।
ओकारौकारयोर्मात्रा तयोर्विवृतसंवृतम्॥

(ख) स्वरा विंशतिरेकश्च स्पर्शानां पञ्चविंशतिः।
यादयश्च स्मृता ह्यष्टौ चत्वारश्च यमाः स्मृताः॥

अथवा/OR

अनुस्वारयमानां च नासिका स्थानमुच्यते।
अयोगवाहा विज्ञेया आश्रयस्थानभागिनः॥